



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 175]

मई दिल्ली, शुक्रवार, प्रब्लूबर 1, 1982/प्राशिवान 9, 1904

No. 175] NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 1, 1982/ASVINA 9, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वही शासी है जिससे कि पहले अंकग्रन्थ के क्षेत्र में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना संख्या 1-पी०आ००-एन०पी०/82

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1982

फाइल संख्या 33/52/82-पी०आ००-एन०पी०/ज००८० (बी) — प्रख-
बारी कागज नियंत्रण अधिकार 1962 के खण्ड 3 के उपर्युक्त (5) के साथ
पठित आवास प्राधिकार नीति के परिणाम 9 के अनुच्छेद 6 की गती
के अनुमार भारत सरकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय लाइसेंसिंग
वर्ष अप्रैल, 1982-नार्च, 1983 के लिए अवधारी कागज आवंटन नीति,
जैसे इस सार्वजनिक सूचना के अनुभवक से है, एनडारा अधिसूचित करता
है।

2. आवासीय अवधारी कागज की सभी किसी की कीमत उपरोक्त
लाइसेंसिंग वर्ष की प्रदेशी लिमिट के लिए भारत सरकार, सूचना और
प्रसारण मंत्रालय द्वारा अंतर्गत नियर्धित होगी और भारत के गण
ध्यापार नियम, नई दिल्ली के द्वारा उसकी घोषणा होगी।

ज००८० भट्टाचार्य, संयुक्त मंत्रिय

अनुलग्नक:

वर्ष 1982-83 के लिए अवधारी कागज की आवश्यकता

1. प्रयोगशक्ति

इस नीति का मध्य अवधारी कागज के आवंटन में है जिस पर
अवधारी कागज नियन्त्रण आदेश, 1962 लागू होता है।

2. परिमाण

इस नीति में लाया जाने अनुदेशों में 'समाचारपत्र' का अर्थ होगा
वैकासन समाचारपत्र प्रदान कोई भी अन्य अधिकारिक।

798 GT/82--1

(1)

3. पात्रता :

3.1 प्रदेशीक समाचारपत्र, जो प्रकाशन की नियमितता का निष्पत्ति
प्रतिवेदन पूरी करता है, जैसा कि इस नीति के परिणाम के अनुच्छेद-1
में अन्वित है, अवधारी कागज के आवंटन के लिए पात्र है।

3.2 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा नियन्त्रिति के
लिए भी अवधारी कागज का आवंटन प्राधिकृत किया जा सकता है।

- (1) सनाचार एजेंसियों द्वारा देविप्रिन्टर पर समाचार संप्रेषित
करना;
- (2) समाचारपत्रों द्वारा मुद्रण परिक्षण;
- (3) शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए न्यून मूल्य की पुस्तकों का मुद्रण;
और
- (4) महाविद्यालय और विद्यालय की पत्रिकाओं का मुद्रण।

3.3 नियन्त्रिति प्रकाशन की श्रेणिया अवधारी कागज के आवंटन
की पात्र नहीं होगी:—

- (1) अन्यों अवधारी सेवाओं की विक्री को मुक्त्युल्प से प्रोत्साहन
देने हेतु प्रकाशित जनेम;
- (2) उपर्योगी/कर्मी/शोधीयगत संस्थाओं द्वारा निकाले गये गृह पत्र/
पत्रिकाएँ,
- (3) कीमत सूचिया, सूचीपत्र तथा लाटरी समाचार;
- (4) रेमिंग गाइड;
- (5) मैक्स मेगजिन।

4. हक्कदारी :

4.1 विद्यमान समाचारपत्रों जिन्होंने उपरोक्त मनुच्छेद 2.1 में अन्तविष्ट शर्तें पूरी कर ली हैं, उनकी 1982-83 के लिए अखबारी कागज की मूल हक्कदारी 1981-82 में अखबारी कागज के आधार पर और सफेद प्रिंटिंग कागज अथवा दोनों की धराथ प्राप्त के आधार पर और सफेद प्रिंटिंग कागज की अधिकारी की संख्या इस नीति के परिविष्ट के मनुच्छेद 2.7 और 2.8 के साथ पठित मनुच्छेद 2.1 में अन्तविष्ट किये गये अनुवेशों के अनुसार हिसाब में लेने हुए निर्धारित की जायेगी।

4.2 अर्थ 1982-83 की हक्कदारी निर्धारित करने के लिए नियंत्रित प्रोत्तमाहृत के लिए योजना के अन्तर्भूत प्राप्त किये गये और 1981-82 के दौरान खपत किये गये अखबारी कागज को भी हिसाब में लिया जायेगा।

4.3 किसी समाचारपत्र के लभी संस्करण (प्रधार्ति जिमक, वही साम हो, वही आवधिकता हो, उसी सामा में प्रकाशित किया गया हो और उसी स्वामी के स्वामित्व में हो) वही वे उसी स्थान से अथवा प्रलग-प्रलग स्थानों में प्रकाशित हुए हों, को एक समाचारपत्र माना जायेगा और उसकी हक्कदारी लभी संस्करणों के नियावत विवरण के आधार पर निकाली जायेगी।

4.4 पार्ट समाचारपत्रों का आरम्भिक कोटि की अनुमति इस नीति के परिविष्ट के मनुच्छेद 2.3 और 2.4 में अन्तविष्ट व्यवस्थाओं के मनुसार दी जायेगी।

4.5 जिन समाचारपत्रों को 1980-81 में अथवा किसी पहले के वर्ष में अखबारी कागज का आवंटन किया गया था परन्तु जिनमें 1981-82 में कोई भी अखबारी कागज प्राप्त नहीं किया उनको इस नीति के परिविष्ट के मनुच्छेद 2.5 में अन्तविष्ट व्यवस्थाओं के अनुसार अखबारी कागज का आवंटन किया जायेगा।

5. पुनरीक्षण :

5.1 जिन समाचारपत्रों ने वर्ष 1982-83 के लिए अखबारी कागज की मूल हक्कदारी कागज का आवंटन किया गया था परन्तु जिनमें 1981-82 में कोई भी अखबारी कागज प्राप्त नहीं किया उनको इस नीति के परिविष्ट के मनुच्छेद 2.5 में अन्तविष्ट व्यवस्थाओं के अनुसार अखबारी कागज का आवंटन किया जायेगा।

5.2 ऐसे तथ्यों की दृष्टि से जैसे कि अखबारी कागज की मात्रा की संभावित उपलब्धता और बफर स्टाक में पर्याप्त मात्रा बनाये रखने की आवश्यकता को देखते हुए विभिन्न स्रोतों से आवंटन में पुनरीक्षण/परिवर्तन किया जा सकता है।

6. अंतिम तिथि

अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन पत्र निर्धारित फार्म में देना चाहिए और वह साम के समाचार पत्रों के पंजीयक विलेस की योजना चाहिए, जिससे कि वह 30 नवम्बर, 1982 को अथवा इसमें वहाँ उनके पास पहुंच जाए।

7. अनुबंध :

इस नीति को कार्यान्वयन करने के लिए विस्तृत अनुदेश इस नीति के परिविष्ट में दिये गये हैं।

परिविष्ट

अखबारी कागज आवंटन नीति 1982-83 की शर्तों के अनुसार अखबारी कागज के आवंटन के लिए अनुबंध।

1. नियमितता :

1.1 समाचारपत्रों को अखबारी कागज का आवंटन किया जा सकता है यदि उनकी प्रकाशन की नियमितिकृत नियमितता है।

(1) 1981-82 में 50 प्रतिशत तथा

(2) 1982-83 में दैनिकों के मामले में 90 प्रतिशत और आधिकारिकों के मामले में 66% प्रतिशत।

2. हक्कदारी :

2.1 किसी समाचारपत्र की 1982-83 में अखबारी कागज का मूल हक्कदारी उसके डार, 1981-82 में अखबारी कागज या सफेद प्रिंटिंग कागज अथवा दोनों की खपत के आधार पर उसके औपर प्रमाण, पृष्ठों की औपर संख्या, प्रकाशित औपर पृष्ठों की तथा प्रकाशित दिनों की संख्या को हिसाब में लेने हुए निर्धारित को जावेगी। ऐसे भास्त्रों में जहाँ कि वर्ष 1981-82 के लिए फार्म एन०पी०-३ में नियादन विवरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है, उन मामलों में 1981-82 के अन्तिम त्रीमास के दौरान खपत की प्रायोजना 1-4-81 से 31-12-81 की अवधि के औपर प्रमाण के आधार पर निकाली जाएगी जैसे कि वर्ष 1981 के वार्षिक विवरण में प्रदर्शित किया गया।

2.2 नियंत्रित प्रोत्तमाहृत योजना के अन्तर्गत अखबारी कागज के उपयोग के संबंध में सूचना फार्म एन०पी० 2 का कागज 6 में प्रस्तुत करनी चाहिए।

2.3 नए समाचारपत्रों को प्रथम चार महीनों के लिए प्रारम्भ क्वोटे की अनुमति भी जाएगी, जैसा कि सारन के समाचारपत्रों के पंजीयक आवेदक द्वारा प्रमाण संख्या के प्रोत्तेजन के मनुच्छेद होते पर निर्धारित करेंगे, जो दैनिकों के भास्त्रों में प्रति घंटे आठ मात्रक पृष्ठों (254 ० वर्ग में०पी०) की अधिकतम 10,000 प्रतियों और अर्थ के भास्त्रों में सौलग्रह मानक पृष्ठों के अधिन छोड़ा जाएगा।

2.4 नए समाचारपत्र जो प्रारम्भिक कोटि प्राप्त करते हैं वे तीन महीने के प्रकाशनों को एक पत्र के आधार उनको आवंटित अखबारी कागज के उचित प्रयोग का प्रामाण फार्म एन०पी०-३ में प्रस्तुत करना चाहिए। तलाचात्वात वर्ष 1982-83 के लिए इसकी हक्कदारी वास्तविक नियावत और योग कोटा, यदि कोई हो, शेष वर्ष के लिए अखबारी कागज के उपयोग के आधार पर प्रकाशन की प्रस्तुति में प्रारंभिता पर विभिन्न विवरण के आधार पर प्रकाशन की आरीब से निर्धारित की जाएगी।

2.5 जिन समाचारपत्रों को 1980-81 में अथवा किसी पहले वर्ष में अखबारी कागज का आवंटन किया गया था परन्तु जिन्होंने 1981-82 में कोई भी अखबारी कागज प्राप्त नहीं किया, वे उनके आवेदन पत्र के प्राप्त होने से अखबारी कागज के हक्कदार होते हैं। जिस वर्ष में उन्होंने अखबारी कागज प्राप्त नहीं किया था उन वर्षों के लिए उनकी हक्कदारी का हिसाब मनुच्छेद आवंटन के करके के बाव जिया जायगा।

2.6 समाचारपत्रों की हक्कदारी आयातित अखबारी कागज और स्वदेशी अखबारी कागज के लिए भी 59 प्राम पदार्थ जमा व घटा 5 प्रतिशत के आधार पर निकाली जाएगी।

2.7 समाचारपत्रों का प्रमाण (क) विक्रय की गई प्रतियों की संख्या और (ख) मुफ्त वितरित प्रतियों की संख्या, बिना यिकी लौटाई गई अथवा अर्थ की मुद्रा मुद्रित प्रतियों, जो न तो यिकी हों और न ही मुफ्त वितरित की गई हों, को हिसाब में लेकर निर्धारित किया जायगा, वशाते कि संबंधित मुद्रण आवेदन की प्रतिशतता निम्न से अधिक न हो—

प्रमाण	दैनिक/या शीर्षक	माप्ताहिक शीर्षक	माप्ताहिक प्राप्ताहिक	माप्त
5,000 तक		10%	15%	20%
5,000 और 10,000 के बीच		10%	10%	15%
10,000 से अधिक	.	5%	5%	10%

2.8 प्रेस पंजीयक, प्रत्येक मामले में मूल हक्कदारी निकालने और उसे पुनरीक्षण करने में जैसा वह उचित समझे सामान्य और प्रमाण खपत के आधार पर नियमितिकृत की उपेक्षा कर सकते हैं।

1. विशेष परिस्थितियों जिसमें हड्डील/नालाबद्दी या अन्य कारण शामिल हैं, में उत्पन्न प्रमार में असाधारण प्रवृत्ति गिरावट, और
2. प्रमार में असाधारण प्रवृत्ति दृढ़ि, समाचारपत्रों की प्रतियागिता में भार्या के बन्दू होने/रुकावट होने अथवा अन्य कोई असाधारण परिस्थिति।

ऐसे समाचारपत्रों के मामले में जो असाधारण रूप से लंबी अवधि तक नहीं निकाले जा सके, उनकी हकदारी भी सगल वयों को हिसाब में सेने के बाद निकाली जा सकती है।

2. 9 समाचारपत्रों को अतिरिक्त अखबारी कागज निम्न सीमाओं तक छोड़न की अनिवृति के रूप में दिया जाएगा।

- | | |
|------------------------------------------------------------|-----------|
| (1) सभी समाचार पत्रों के लिए | 5 प्रतिशत |
| (2) आवधिकों के मामले में जो अब रुग्णिंग का प्रयोग करते हैं | 7 प्रतिशत |

2. 10 प्रगर किसी समाचार पत्र ने 1981-82 अथवा किसी गत वर्ष में उनकी आवधिक अखबारी कागज का प्रयोग न किया हो तो प्रप्रयुक्त मास्त्र की उसके बाद 1982-83 की हकदारी में समाचारित किया जाएगा।

3. आवेदन पत्र भेजने की प्रक्रिया :

3. 1 प्रकाशक अथवा उसके द्वारा विधिवत् प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा अखबारी कागज के प्राप्तिकृत के लिए आवेदन पत्र फार्म एन० पी०-१ और एन० पी०-२ में भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक, नई विन्ली की भेजने आहुए, ताकि वह उनके पास 30 नवम्बर, 1982 को या इससे पहले पहुच जाए।

3. 2 समाचारपत्रों द्वारा अखबारी कागज के लिए आवेदनपत्र के साथ फार्म एन० पी०-३ में बाद 1981-82 के निष्पादन विवरण के प्रमाण-पत्र अथवा ऐस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 की धारा 19-ही के अन्तर्गत अप्रेक्षित 1981 के वार्षिक विवरण की एक प्रति दाखिल करनी अपेक्षित है। जिन समाचारपत्रों का ग्रीसल प्रमार 2000 प्रतिया प्रति घण्ट, से अधिक है, उनका प्रमाण-पत्र अथवा वार्षिक विवरण जैसा भी मामला हो, मनदी लेखापाल द्वारा प्रमाणित होना चाहिए।

3. 3 नए प्रकाशनों द्वारा (उपरोक्त अनुच्छेद 2. 3 के तहन) प्रारंभिक कौटा के लिए आवेदन-पत्र फार्म एन० पी०-१ में देने चाहिए, और उनके साथ निम्नलिखित होने चाहिए—

- (1) फार्म एन० पी०-४ तथा
- (2) आवेदक द्वारा निष्पादित बाबू और किसी अनुसूचित ग्रामीण या सहकारी बैंक द्वारा आवेदक की आरम्भिक हकदारी के अखबारी कागज के मूल्य के 20 प्रतिशत के लिए विधिवत् गारंटी हो। कागजाती प्रमाणपत्रों की प्रस्तुति से भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक की संतुष्टि हो जाने पर कि समाचारपत्र के प्रकाशन के लिए यह अखबारी कागज उपयोग किया गया है तो यह बाबू रह कर दिया जाएगा।

3. 4 हकदारी के पुनरीक्षण के लिए दिए गए आवेदन पत्रों के माथ निम्नलिखित कागजात होने चाहिए—

- (1) फार्म एन० पी०-३ में 1982-83 के लिए निष्पादन विवरण प्रमाणपत्र (पूर्व भास के अन्त तक जिसमें कि आवेदन पत्र दिया गया है) ऐसे समाचारपत्रों के मामले में, जिनकी प्रमार सख्ता 2000 प्रतिया प्रति प्रकाशन दिवस से अधिक है, यह प्रमाण-पत्र सनदी लेखापाल द्वारा प्रमाणित होना चाहिए। तथा

(2) जिन समाचारपत्रों की अखबारी कागज की हकदारी 30 मीट्रिक टन, अथवा इससे अधिक है, उनकी आवेदन पत्र के साथ आयकर रिटन की अधिगमाणित प्रति घण्ट वर्ष 1981-82 का तुल पत्र भेजना चाहिए।

3. 5 जिन समाचारपत्रों की प्रमार सख्ता भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा निर्धारित प्रसार संख्या, उनके द्वारा दावा की गई घण्ट प्रसार सख्ता की अपेक्षा कम है, वे उन्मुख पुनरीक्षण के लिए ग्राह्य नहीं होंगे।

3. 6 हकदारी के पुनरीक्षण के लिए आवेदन पत्र भारत के समाचारपत्रों के कार्यालय में 15 जनवरी, 1983 को अथवा इससे पहले पहुंच जाने चाहिए।

4. आवंटन :

4. 1 अखबारी कागज स्टैंडर्ड, रोटो, ग्रावर और लेज़िड का आवंटन, अनुच्छेद 4. 2 में उल्लेख के अतिरिक्त प्राय. रीलों में किया जाएगा।

4. 2 शीट के भारीनों में मुश्तिल समाचारपत्रों घपनी हकदारी के बल शीटों में प्राप्त करें। ग्रावर शीटों उपलब्ध नहीं हैं तो रीलों की शीटों में बदलने के लिए हकदारी से 5 प्रतिशत की बढ़ीनी की जाएगी बशर्ते यह प्रमाणित हो जाए कि प्रिंटिंग वास्तविक में रीटों में हुआ है।

4. 3 नेपा मिल के अखबारी कागज में संबंध में प्रकाशनों को नेपा प्रकाशन के लिए उनकी हकदारी की अपेक्षा 15 प्रतिशत अधिक की अनुमति दी जाएगी।

4. 4 दैनिक पत्रों के अलावा जिन आवधिकों का प्रकाशन तीन महिने के अधिक समय में नियमित रूप में हो रहा है, उनकी पूरी हकदारी या उनका एक हिस्सा लेज़िड या रोटो ग्रावर प्रबद्धारी कागज में होने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते कि वह उपलब्ध हो।

4. 5 300 मीट्रिक टन से ऊपर हकदारी वाले समाचारपत्रों को स्वदेशी अथवा आयातित प्रबद्धारी कागज या तो भार में अथवा पूर्ण में लेने का विकल्प होगा।

4. 6 300 मीट्रिक टन/अथवा प्रधिक हकदारी वाले समाचारपत्रों को प्रबद्धारी कागज का आवंटन निम्न प्रकार होगा—

- (1) हकदारी का 20 प्रतिशत नेपा प्रबद्धारी कागज
- (2) हकदारी का 20 प्रतिशत मैसूर पेपर मिल या/और एन० पी० सी० (केरल प्रबद्धारी कागज प्रोजेक्ट) से प्रबद्धारी कागज।

- (3) हकदारी का 60 प्रतिशत आयातित प्रबद्धारी कागज (इसका कम से कम 25 प्रतिशत राज्य व्यापार निगम के वफर स्टाक से उठाया जाना चाहिए)।

4. 7 देशी और आयातित प्रबद्धारी कागज के अनुपात में समय-समय पर स्टाक की उपलब्धि की दृष्टि से विषया ही सकता है।

4. 8 प्रगर राज्य व्यापार निगम द्वारा लेटर्स पॉफ क्रेडिट की प्राप्ति के 120 दिन के भीतर लक्ष्य नहीं किया जाता तो होई सी सेल्स के आधार पर वफर स्टाक से अनुपातिक मात्रा में आवंटन करने का प्रयत्न किया जाएगा, जो बाद में फिर से पुरा किया जाएगा।

5. वितरण :

5. 1 आयातित प्रबद्धारी कागज के वितरण का कार्य पूर्णतया, प्रबद्धारी कागज नियवरण आयोग 1962 की द्विवार्षीय और उपवर्धीयों के अनुपालन के अनुपालन भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा प्राधिक हृत्य व्यापार निगम द्वारा किया जाएगा।

5.2 हाई सी मेल्स के आधार पर डिसिवरी विदेशी मप्पायर द्वारा बुकिंग के लिए स्वीकार की गई न्यूनतम मात्रा अधीत होगी।

5.3 जिन समाचारपत्रों को हाई सी मेल्स के आधार पर आवटन किया जाता है उनकी राश्य लक्ष्य उद्योग विकास निगम अथवा जो ऐसे अन्य निगम जो गज्य भू कार्यरक हैं अथवा उनके प्राधिकरण एजेंटों के द्वारा भी डिसिवरी लेने की अनुमति होगी।

5.4 ऐसे समाचारपत्र जो होई सी मेल्स आवटन की शर्तों को पूरा नहीं करते वे व्यापक उनकी अलग-अलग हक्कारी अद्वृत कम होने के पार्श्व इस व्यक्तियों से नहीं आ सकती। वे समाचारपत्र दूसरे एजेंट समाचारपत्रों के साथ अपनी हक्कारी मिला सकते हैं और अखबारी कागज हाई सी मेल्स से या गज्य लक्ष्य उद्योग विकास निगम या कार्य एजेंट अन्य निगम, जो राज्य में कार्यरक हैं, के द्वारा अथवा उनके लिए कार्य कर रहे प्रावित एजेंटों के द्वारा ले सकते हैं।

5.5 स्वदेशी अखबारी कागज की हक्कदारी के लिए सबधित मिलों की प्राधिकरण सीधे भारत के समाचारपत्रों परीक्षक हारा जारी होंगे।

5.6 समाचारपत्रों को हाई सी मेल्स अथवा याकर स्टार्क अथवा देशी भौतों से अपना आवटन निम्नलिखित अवधि के भीतर उठाना चाहिए, --

1. 50 टन से कम हक्कारी वाले	6 महीने
2. अन्य	2 महीने

अगर कार्य समाचारपत्र एजेंट करने में अमान्य होता है तो वह आगे अखबारी कागज के आवटन से बचत होने का उत्तराधीय होगा।

6. एक सलालोरपत्र को आवश्यक अखबारी कागज का दूसरे समाचारपत्र के लिए उपयोग

एक समाचारपत्र दूसरे समाचारपत्र अथवा समाचारपत्रों को आवटन अखबारी कागज का उपयोग नहीं करे तो दृष्टिप्रबन्धन प्रवाणन का वर्णन

स्वामित्व हो अथवा होई सी मेल्स के आधार पर आयातित अखबारी कागज आवटन करने के प्रयोजन के लिए उनकी हक्कारी मिला देने की अनुमति दी गई हो।

7 अवधार

7.1 इन अनुदर्शों में किसी बात के हांते हुए भी भारत के समाचारपत्रों के प्रत्येक उचित और विधिमाला कारणों से किसी भी आवश्यकता का हटा सकते हैं या इन अनुदर्शों में कोई भी विधायत दे सकते हैं।

8. विविध

8.1 अखबारी कागज के जिम डीलर अथवा एजेंट ने अखबारी कागज नियत्रण आदेश 1962 का अनुंपाल नहीं किया है उसको आयातित कागज हाई सी मेल्स अथवा बफर स्टार्क से लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

8.2 स्वदेशी अखबारी कागज विनिर्माण करने वाली मिलों का भारत के गमाचारपत्रों के पर्यायक की आवश्यक रूप से ऐसी सूचना जैसे कि अखिन है, प्रस्तुत करनी हांगी जो अखबारी कागज नियत्रण आदेश के अन्तर्गत अनुमति है।

8.3 जिस समाचारपत्र को अखबारी कागज का आवटन किया गया हो उसको कार्य एन० पी०-३ में वर्ष 1982-९३ के लिए निष्पादन विवरण प्रमाण-पत्र विधिवत् सनदी लेखानाल से प्रमाणित करवा कर यदि प्रमाण संख्या 2000 प्रतिशत प्रति कागज दिवस में अधिक होती 30 जून, 1983 तक प्रेम परीक्षक को प्रस्तुत करना चाहिए।

8.4 जो समाचारपत्र नियमित हो जाता है अथवा जिसका प्रकाशन बद्द हो जाता है उसे प्रकाशन के नियमित/बन्ध होने के एक महीने के भीतर कार्य एन० पी०-३ में निष्पादन विवरण प्रमाण-पत्र भारत के समाचारपत्रों के पर्यायक का प्रस्तुत करना होगा। भारत के समाचारपत्रों के पर्यायक के नियमितों के अनुमान उस उपयोग ही किया गय अखबारी कागज भी प्रभार्यपत्र करना होगा।

8.5 पार्टी एन० पी०-१, एन० पी०-२, एन० पी०-३ और एन० पी०-४ के महीने सलग हैं।

फार्म-प्राई

फार्म-एन० पी० १

अखबारी कागज के आवटन के लिए समाचारपत्रों/नियत्रणालिक पत्रों के आवेदन पत्र का फार्म ।

भाग-१

१ आवेदक का नाम

२ समाचारपत्र/नियत्रणालिक पत्र का नाम

३ बाक का पूरा पत्र

४ (क) दिनांक जब से गमाचारपत्र/नियत्रणालिक

पत्र नियमित रूप से प्रकाशित हो रहा है

(ख) भारत के समाचारपत्रों के पर्यायक द्वारा दी गई पर्यायकरण संख्या

(ग) जिला मजिस्ट्रेट के द्वारा नक्षीन्तर्म घोषणा दाखिल किए जाने का नारिवा

५ प्रतिष्ठान का, प्रकार अर्थात् सार्वजनिक/निर्जी स्थानिक आदि तथा निवासी/मार्गदारों आदि के नाम

६ १२ महीने के लिए अवेदन प्रबन्धकारी कागज की मात्रा/मूल्य

७ (क) कमवद विवरण अवेदनाएँ

(ख) प्राधिकृत एजेंट का नाम

8 समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों का नाम तथा अन्य विवरण जो आवेदक के स्वामित्व में है।

भारतीय पत्र का नाम	भाषा तथा नियतकालिकता	प्रकाशन का स्थान	कथा भरकार द्वारा प्रबन्धारी कागज मिलता है।
1	2	3	4

9. समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों के प्रकाशन दिवस के प्रसार आदि का विवरण

- (क) प्रस्तुति प्रकाशन की तिथि
- (ख) छपने के लिए प्रस्तुति प्रतियों की घोषित संख्या
- (ग) औमन पृष्ठ संख्या
- (घ) समाचारपत्रों/नियतकालिक पत्रों के एक पृष्ठ का औमन क्षेत्र (वर्ग में मी० मी० में)
- (झ) प्रकाशन दिवसों की संख्या

10. अध्यात्मीय कागज का विवरण (रलेज़/प्रत्यारोपण/तेपा की आवश्यकता काने अलग-अलग उन्नति की जिए)

मद संख्या	मात्रा मीट्रिक टनों में	आवृत्ति	मूल्य (सो० प्राई० एफ० रुपयों में)
1	2	3	4

वर्ष 1981-82 की अवधि में की गई अपेक्षा।

वर्ष 1982-83 के लिए आवश्यकता

11. पिछला लाइसेंसिंग वर्ष जिसमें भारत के समाचारपत्रों के पर्याप्त के कार्यालय से अध्यात्मीय कागज लिया गया था।

- 12 (क) भवीत की किस्म (अर्थात् गोटर्डी/पैटेंटेड/नैटर प्रेस)।
(ख) अवैधति रॉलो/णीटो का आकार

घोषणा

- मै/हम एन्ड्रियार पर्याप्त करता हूँ/करते हैं कि मेरो/हमारी अधिकतम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सभ्य और मही हैं। मै/हम यह सभी साति समझा हासिलने हैं कि ये रुप्ते/इमें जा भी भारतीय प्रत्युत विवरण के प्रधार पर संरक्षित होता रहिए यह सिद्ध हो जाता है कि शिख गण विवरण गला वा अन्तर है जो वह किसी अन्य जूमानी के अनावा जो सरकार या सही है अथवा अन्य कोई कार्य वाली, जो की जा सकती है भारत की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर रद्द करने योग्य है।
- मै/हम यह सभी घोषित करता हूँ/करते हैं कि अगर अध्यात्मीय कागज का आवृत्ति किसी जाता है तो वह केवल हासिल करने के लिए/भवाता/सस्थापन में प्रयुक्त होगा।
- मै/हम सभी अच्छी तरह समझता हूँ/समझते हैं कि सारणीबद्ध की गई मद (दो) का आवृत्ति सारणीबद्ध एंजेसी के जरिए आयात भारत नियंत्रण विभिन्न के अन्तर्गत किया जाता है और जिन गतों पर माल की नियामनी उपायों के त्रिप्रयोग के लिए बुरायोग करने के उल्लंघन पर आयात नवा नियम (कन्फ्रीट) अधिनियम 1947, यास्सरात्रिन नवा उके अन्तर्गत नियम आवेदन की उपस्थिति की ओर प्राप्त होगा।
- मै/हमने आयात नीति/प्रत्यापन निर्वाचन प्रक्रिया की 1981-82 की हस्त पुस्तिका के आमतौर पर उपबंधों को नोट कर लिया है।

हस्ताक्षर- -----

नाम स्पष्ट अक्षरों में-----

पर का नाम- -----

निवास स्थान का पना- -----

फार्म एन०पी० २

सभी आवेदकों द्वारा दिया जाने वाला विवरण

1. पत्र का नाम
2. सांख्य/आवधिकता
3. प्रकाशन का स्थान
4. प्रखबारी कागज नियन्त्रण भ्रादेश, 1962 (प्रखबारी कागज नियन्त्रण) (संघोधन) अदेश, 1962 द्वारा यथा संशोधित) के खण्ड 5 के अनुसार किस तारीख से यह धरक की लगातार प्रतियोगी प्रकाशित की जा रही है।
5. वर्ष 1981-82 के दौरान यह मास की प्रति प्रकाशन दिवस की प्रकाशन भौमत पृष्ठों की संख्या (सीलमें) (इस फार्म के अन्त में सलन प्रतिवेशों के अनुसार निकली जा सकती है)

अप्रैल 81	मई 81	जून 81	जुलाई 81	अगस्त 81
मितम्बर 81	अक्टूबर 81	नवम्बर 81		
दिसम्बर 81	जनवरी 82	फरवरी 82	मार्च 82	

6. नियन्ति संबंधित की योजना के अन्तर्गत प्राप्त प्रखबारी कागज की खपत और वर्ष 1981-82 के दौरान खपत

सेप्टेम्बर	अक्टूबर सेप्टेम्बर	कुल
(ग्रा.)		
प्रकाशक के हस्ताक्षर		
विनांक		

टोटः—कालम 5 में दिये जाने वाले धारकों के लिए धरक के कुल पृष्ठों की संख्या से गुण करके संबंधित प्रकाशन दिवस की प्रकाशित कुल पृष्ठों की सूचना प्राप्त की जा सकती है। मास में सभी प्रकाशित दिवसों के कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या को जोड़ देना चाहिये। इस कुल संख्या को उम मास के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या से भाग करके मासिक भौमत संख्या प्राप्त की जा सकती है।

फार्म एन०पी० ३

1-4-81 से 31-3-82 तक की घबड़ि के लिए प्रसार भावि संबंधी निष्पादन विवरण प्रमाणपत्र का फार्म

1. समाचारपत्र/नियनकालिक पत्र का नाम	3. भावा
2. प्रकाशन का स्थान	4. आवधिकता (पीरियाइसी १)

प्रतिमास भौमत

मास के खोरात

अप्रैल 81	मई 81	जून 81	जुलाई 81	अगस्त 81	मितम्बर अक्टूबर नवम्बर	दिसम्बर जनवरी फरवरी	मार्च 82	वर्ष का भौमत
--------------	----------	-----------	-------------	-------------	------------------------------	---------------------------	-------------	-----------------

(क) प्रतिमास वास्तविक प्रकाशन दिवसों की संख्या

(ख) प्रति प्रकाशन दिवस प्रकाशित प्रतियों की भौमत संख्या

(ग) प्रति प्रकाशन दिवस बेची गई प्रतियों की भौमत संख्या

(घ) प्रति प्रकाशन दिवस युपत वितरित (मासार्थ, बाउचर, विनिमय बोनस नमूना एवं कार्यालय प्रतियोगी महित) प्रतियों की भौमत संख्या

(ङ) अन्तिकी, वापिस की गई और अन्य मुद्रित प्रतियों की संख्या, जो (घ) और (ग) में शामिल नहीं की गई

(च) समाचारपत्र/नियनकालिक पत्र का भौमत भाकार (बां से ०मी०मे)

	ब्रह्मेत	रवि	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	बर्ष का
	81	81	81	81	81	81	81	81	81	82	82	82	भोग
(छ) प्रकाशन दिवस के प्रति भंक के पृष्ठों की ओमत संख्या													
(ज) प्रति प्रकाशन दिवस की प्रकाशित पृष्ठों की ओमत संख्या । वर्ष के दौरान आवधिकारी कागज की कुल खपत (टन में) वर्ष 1981-82 के दौरान सफेद प्रिटिंग कागज की खपत (टनों में)													

प्रकाशक के हस्ताक्षर
दिनांक

सतर्थी लेखापाल का प्रमाण पत्र

मैंने/हमने वर्ष 1981-82 के दौरान प्रकाशित मर्यादी (पत्र का नाम, भाषा और आवधिकारी) के हिसाब की जांच कर नी है और अपने लिए आवश्यक सभी जानकारी और विवरण प्राप्त कर लिया है। मेरे/हमारे विचार से वर्ष 1981-82 के लिए दिया गया उपरीक्षण भेजी/हमारी जानकारी एवं लेखा कित वर्षों के अनुमान प्रदान विवरण में प्रमाण संख्या, पृष्ठों की संख्या, आकार और प्रकाशन दिवसों की संख्या का सही विश्लेषण करता है।

तारीख

मनदी लेखापाल की मुद्रा

हस्ताक्षर

1. उस व्यक्ति का नाम एवं पत्र जिसने प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किये हैं ।
 2. पंजीकरण संख्या
 3. पता
-

मोट:— 1. यदि वर्ष के ओमत प्रमाण 2,000 प्रतियों प्रति प्रकाशन दिवस में अधिक हो तो प्रमाणपत्र मनदी लेखापाल के पत्र शीर्ष पर टाईप होना आहिए और उसी मनदी लेखापाल द्वारा ही सम्मुख रूप से प्रति हस्ताक्षरित होना चाहिए ।

2. सभी ओमत मास के अनुमान दिवसों के दौरान मिष्ठान के नव्यों के आधार पर ही दिये जाने हैं ।
3. (छ) में दिये जाने वाले आकड़ों, मास के दौरान प्रकाशित सभी घंटों के कुल पृष्ठों के जोड़ को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या से भाग करके प्राप्त किये जा सकते हैं, जबकि (ज) में दिये जाने वाले आकड़ों का हिसाब इस प्रकार होगा: एक घंटे के पृष्ठों की संख्या को उस घंटे के कुल प्रकाशित प्रतियों की संख्या से गुणा करने से नत्यवंधी प्रकाशन दिवस की कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या निकल जायेगी । महीने में सभी प्रकाशन दिवसों की कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या को जोड़ लेना चाहिए । मासिक ओमत संख्या, प्राप्त करने के लिए इस कुल संख्या की उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या से भाग किया जाना चाहिए ।

फार्म एन०पी०-४

नए दैनिक/नियतकालिक पत्रों के प्रकाशकों द्वारा दिए जाने वाला विवरण

1. ममायारपत्र/पत्रिका का नाम
 - (क) नाम
 - (ख) भाषा
 - (ग) आवधिकारा
2. अन्तिम घोषणा देने की तारीख
3. प्रकाशन आरम्भ करने की प्रस्तावित तारीख
4. मुद्रण हेतु प्रतियों की ओमत प्रस्तावित संख्या
 - (क) बिना हेतु प्रतियों की संख्या
 - (ख) मुफ्त विवरण हेतु प्रतियों की संख्या

5. प्रकाशन का स्थान और मुद्रणालय का विवरण

(क) मुद्रणालय के सांकेतिक वा विवरण

नाम

पता :

(ख) छार्टर की क्षमता।

छार्टर/मुद्राकार-विद्युत यंत्र (कमोर्जिग मर्गीन) का बैंक, माइन प्रति घट्ट की
गति और मर्गीन की बर्तमान आयु विष्णे।
(अर्थात् मर्गीन कब की बनी हुई है)

6. क्या अनुसूचित बैंक के नमूने के कार्ड में बैंक की प्रतिभूति (गारंटी) दी गई है।

7. यदि हाँ, तो बैंक का नाम और प्रत्याभूति (गारंटी) की रकम निम्ने।

8. क्या अखबारी कागज श्रमिकर्ता (एंजेट) द्वारा उठाया जायगा।

9. यदि हाँ तो एंजेट का नाम निम्ने

10. अखबारी कागज को उठाने की शर्त किसने में है या घोफ में बफर स्टाक/हार्ड
सी सेल्स में

11. सम्पादक का नाम

धोषणा

मैं/हम यहाँ इस बात की धोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त तथ्य मेरे/हमारे शान और विष्वास के अनुसार मत्य और ठीक है।

स्थान :

हस्ताक्षर ...

तारीख .

नाम साफ अक्षरों में

पद .

निवास स्थान का पता

सेवा में,

बैंक गारंटी के लिए फार्म

भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक

(सूचना और प्रमाणन मत्रालय)

परिवर्त्य ब्लाक-8

ग्रामकृष्ण पुर्षम्

नई दिल्ली-110066

प्रिय महोदय,

जबकि सर्वथी

(इसके बाद "अलाटी" कहा जायेगा) ने समाचारपत्र के प्रकाशनार्थ अखबारी कागज की निम्नलिखित मात्रा के आधार के लिए आपसे निवेदन किया है।

नाम. भाषा

प्राविधिकता प्रकाशन का स्थान

लगभग मात्रा लगभग सी आई एफ मूल्य रुपये.

और जब कि प्रस्तावित प्रकाशन के लिए अधिक आवंटन भी शर्त के अनुसार, आवेदन की गई अखबारी कागज की मात्रा के लगभग मूल्य का 20 प्रतिशत के लिए अलाटी को बैंक गारंटी देना अपेक्षित है।

अब उपरोक्त वर्तनों के विचारार्थ में और अलाटी के निवेदन पर, हम बैंक का नाम और पता एतद्वारा शर्त के रूप में अदल गारंटी देने हैं और वह कि विक्रय कीमत की अदायगी न करने के बास्ते में और/प्रथमा आपके द्वारा निर्धारित/निर्धारित होने वाली मध्ये अधिकारी किसी भी शर्त के पासन करने में अलाटी की ओर से अन्य कोई न्यूक्र/असफलता का भार अपने ऊपर नहीं है और हम आपकी प्रथम मार्ग पर रपये तक कोई भी राशि बिना विनाश अथवा अलाटी को बिना किसी हड्डाने के रहे।

आपका यह निर्णय कि अलाटी को ओर से चक्र/असफलता हुई है, अतिम निर्णयिक और हम पर आध्य होगा।

यह गारंटी अलाटी को आपके द्वारा बनाई गई किसी प्रकार के विवाद अथवा अनुग्रह और/अथवा आप द्वारा निर्धारित रूपों में किसी परिवर्तन द्वारा और/अथवा उसी के गठन में और/अथवा अलाटी द्वारा प्रभावित नहीं होगी।

यह गारंटी त्रायी होने की तारीख में तीन महीने की अवधि के लिए विधिमान्य और उसकी समाप्ति की तारीख के छ महीने भीतर उसके अन्तर्गत रकम की मार्ग भेजनी चाहिए।

दिवाक

धवदीय,

प्राधिकृत बैंक अधिकारी के हस्ताक्षर

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

PUBLIC NOTICE No. 1-PR-NP/82

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September 30, 1982

File No. 33(25)/82-PR-NP JS(B).—In terms of para 6 of Appendix 9 to the Import and Export Policy for April 1982—March 1983, read with sub clause (5) of Clause 3 of the Newsprint Control Order, 1962, the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting hereby notify the Newsprint Allocation Policy for the licensing year April 1982—March 1983 as in the Annexure to this Public Notice.

2. The price of imported newsprint in all varieties will be fixed separately by the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting for each quarter of the above licensing year and the same will be announced through the State Trading Corporation of India, New Delhi.

J. K. BHATTACHARYA, Joint. Secy.

ANNEXURE

NEWSPRINT ALLOCATION POLICY, 1982-83

1. Applicability :

This Policy relates to allocation of newsprint to which the Newsprint Control Order, 1962 applies.

2. Definition .

In this Policy and in the appended instructions, a "newspaper" shall mean a daily newspaper or any other periodical.

3. Eligibility :

3.1 Every newspaper which fulfilled the prescribed percentage of regularity of publication, as mentioned in para 1 of the Appendix to this Policy, is eligible for allocation of newsprint.

3.2 Allocation of newsprint will also be authorized by RNI for the following :—

- (i) Transmission of news over teleprinters by news agencies;
- (ii) Trial printing by newspaper ;
- (iii) Printing of low price books for promotion of education; and
- (iv) Printing of college and school magazines.

3.3. The following categories of publications will not be eligible for allocation of newsprint :—

- (i) Journals published primarily to promote sale of goods or services;
- (ii) House journals/magazines brought out by undertakings/firms/industrial concerns;
- (iii) Price lists; catalogues and lottery news;
- (iv) Racig guides; and
- (v) Sex Magazines.

4. Entitlement :

4.1 The basic entitlement of newsprint for 1982-83 of the existing newspapers which have fulfilled the stipulations as contained in para 2.1 above, will be determined on the basis of actual consumption of newsprint or white printing paper or both in 1981-82 taking into account the average circulation, the average number of pages, the average page area published and the number of publishing days, as per instructions contained in para 2.1 read with paras 2.7 and 2.8 of the Appendix to this Policy.

4.2 Newsprint obtained under the scheme for export promotion and consumed during 1981-82 will also be taken into account in determining entitlement of 1982-83.

4.3 All the editions of a newspaper (i.e. bearing the same title, having the same periodicity, published in the same language and owned by the same owner), whether published from the same place or from different places would be treated as one newspaper and its entitlement will be calculated on the basis of the performance particulars in respect of all the editions.

4.4 New newspapers will be allowed an initial quota as per provisions contained in paras 2.3 and 2.4 of the Appendix to this Policy.

4.5 Newspapers which were allocated newsprint in 1980-81 or in any earlier year, but which did not obtain any newsprint in 1981-82, will be allotted newsprint as per provisions contained in para 2.5 of the Appendix to this Policy.

5. Revision

5.1 Newspapers which have secured the basic entitlement of newsprint for 1982-83, can apply once for upward revision of the allocation on the basis of increase in circulation.

5.2 The allotment from different sources may be revised/ varied in the light of such factors as quantities of newsprint likely to be available and the need to maintain adequate buffer stocks.

LAST DATE

6. Applications for allocation of newsprint should be made in the prescribed form and addressed to the Registrar of Newspapers for India West Block No. 8, Wing No. 2, R.K. Puram, New Delhi, so as to reach him on or before 30th November, 1982.

7. Instructions :

Detailed instructions for implementing this Policy are given in the Appendix to this Policy.

APPENDIX

INSTRUCTIONS FOR THE ALLOCATION OF NEWS-
PRINT IN TERMS OF THE NEWSPRINT ALLOCATION
POLICY, 1982-83

1. Regularity :

1.1 Newspapers can be allocated newsprint only, if they have a regularity of publication of—

- (i) 50 per cent in 1981-82; and
- (ii) 90 per cent in the case of dailies and 66.2/3 per cent in the case of periodicals in 1982-83.

2. Entitlement :

2.1 The basic entitlement of newsprint of a newspaper in 1982-83 will be determined on the basis of the consumption of newsprint or white printing paper or both in 1981-82, taking into account its average circulation, average number of pages, the average page area published and the number of publishing days. In a case where Performance Certificate for 1981-82 in Form NP-3 has not been submitted; the projection of consumption during the last three months of 1981-82 will be made on the basis of the averages for the period from 1-4-1981 to 31-12-1981 as reflected in the Annual Statement for 1981.

2.2 Information regarding utilisation of newsprint under Export Promotion Scheme should be furnished in column 6 of Form NP-2.

2.3 New newspapers will be allowed an initial quota for the first four months, as determined by the RNI, upon satisfaction of the projection of circulation by the applicant, subject to a maximum of 10,000 copies per issue of eight standard pages (2540 sq.cms.) in the case of dailies and of sixteen standard pages in the case of other periodicals.

2.4 A newspaper which receives an initial quota should produce within a fortnight of three months of publication, evidence of proper utilisation of the newsprint allocated to it, in Form NP-3. Thereafter, its entitlement for the year 1982-83 from the date of publication will be determined on the basis of actual performance and the balance quota, if any, released on request on submission of a formal application from the publication for newsprint for the rest of the year.

2.5 Newspapers which were allocated newsprint in 1980-81 or any earlier year but which did not obtain any newsprint in 1981-82 will be entitled to newsprint from the month of receipt of their application. Their entitlement will be calculated after making national allocation for the years in which newsprint had not been obtained by them.

2.6 The entitlement of newspapers for imported newsprint as also indigenous newsprint will be worked out on the basis of 50 gsm plus or minus 5 percent.

2.7 The circulation of newspapers will be determined taking into account (a) the number of copies sold and (b) the number of copies distributed free, returned unsold or printed but neither sold nor distributed free, provided these do not exceed the following percentage of the respective printorder.

Circulation	Dailies/ tri & biweekly	Weeklies & fort. nightlies	Others
Up to 5,000	10%	1%	20%
Between 5000 & 10,000	10%	10%	15%
Above 10,000	5%	5%	10%

2.8 In working out the basis entitlement and in revising it, RNI may, as considered appropriate by him in each case and relying on the normal average consumption, ignore :

- (i) abnormal short-term fall in circulation arising from special circumstances, including, strikes/lockouts or other reasons; and
- (ii) abnormal short-term increase in circulation attendant upon closure/disruption of work in competing newspapers or any other extraordinary circumstances.

In the case of newspapers which could not come out for an abnormally long period, the entitlement may be worked out after taking into account all relevant factors.

2.9 Extra newsprint upto the limits indicated below will be allowed to newspapers as wastage compensation.

- | | |
|-----------------------------------------------------------|----|
| (i) for all newspapers | 5% |
| (ii) In case of periodicals using multi coloured printing | 7% |

2.10. If any newspaper had not utilised any quantity allotted in 1981-82 or in any previous year, the unutilised quantity will be adjusted against its entitlement for 1982-83.

3. Procedure for submission of applications :

3.1 Application for allocation of newsprint should be made by the publisher or a person duly authorised by him in this behalf in Forms NP-1 and NP-2 and should be addressed to the Registrar of Newspapers for India, New Delhi, so as to reach him on or before 30th November, 1982.

3.2 Applications for newsprint by newspapers should be accompanied by a Performance Particulars Certificate for 1981-82 in Form NP-3 or a copy of the annual statement for 1981 required to be filed under Section 19 D of the PRB Act, 1867. In the case of newspapers whose average circulation exceeds 2,000 copies per issue, their certificates or the annual statements, as the case may be, should be certified by a Chartered Accountant.

3.3 Applications for initial quota by new publications (vide para 2.3 above) should be made in Form NP-1 and should be accompanied by—

- (i) Form NP-4; and
- (ii) a bond executed by the applicant and duly guaranteed by any scheduled, rural or cooperative bank for 20 per cent of the value of the newsprint to which the applicant is entitled initially. This bond will be cancelled on the production of documentary evidence to the satisfaction of the RNI to show that the newsprint had been utilised for the publication of the newspaper.

3.4 Applications for revision of entitlement should be accompanied by the following documents;

- (i) Performance Particulars Certificate for 1982-83 (up to the end of the month preceding the month in which the application is made) in form NP-3. In case of publications with a circulation of more than 2,000 copies per publishing day, this must be certified by a Chartered Accountant; and
- (ii) an authenticated copy of the income tax return and the balance-sheet for the year 1981-82 in cases where the entitlement of newsprint is 300 tonnes or more.

3.5 No newspapers whose circulation has been assessed by RNI to be lower than that claimed by it will be eligible for upward revision.

3.6 Application for revision of entitlement should reach RNI on or before 15th January 1983.

4. Allocation :

4.1 Allotment of newsprint—standard, rotogravure and glazed, will generally be made in reels, except as indicated in para 4.2

4.2 Newspapers printed on sheet-fed machines will receive their entitlement only in sheets. In case sheets are not available, the entitlement will be raised by 5 per cent for conversion of reels into sheets giving proof that printing is actually carried out only in sheets.

4.3 In respect of newsprint from the Nepa Mills, publications will be allowed 15% more than their entitlement for Nepa newsprint.

4.4 Periodicals, other than dailies, which have been in regular publication for more than three months, may be allowed to obtain their full entitlement or a portion of it in glazed or rotogravure newsprint, subject to availability.

4.5 Newspapers with an entitlement of less than 300 tonnes will have the option to obtain indigenous or imported newsprint either in part or in full.

4.6 The allocation of newsprint for those entitled to 300 tonnes or more will be as follows :—

- | | |
|------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------|
| (i) 20% of the entitlement | —Nepa Newsprint. |
| (ii) 20% of the entitlement | —Newsprint from Mysore Paper Mills or/and H.P.C. (Kerala Newsprint Project). |
| (iii) 60% of the entitlement | —Imported newsprint (At least 25% of this should be lifted from the STC's buffer stock). |

4.7 The proportion of indigenous and imported newsprint may be varied in the light of availability of stocks from time to time.

4.8 If shipment is not effected within 120 days of receipt of Letters of Credit by STC, efforts will be made to allot proportionate tonnage from the buffer stock on high sea sales basis which will be later replenished.

5. Distribution :

5.1 The work relating to distribution of imported newsprint will be handled entirely by the STC as authorised by the RNI in accordance with these instructions and in compliance with the provisions of the Newsprint Control Order, 1962.

5.2 Delivery of high sea sales basis will be subject to the minimum quantity accepted for booking by the foreign supplier.

5.3 Newspapers which are given allotment on high sea sales basis, will be allowed to take delivery also through the State Small Industries Development Corporation or other such Corporations functioning in the State or through their authorised agents.

5.4 Newspapers which do not fulfil the condition of high sea sales allocations because of their individual entitlement being too small to be covered by that arrangement, can club their entitlement with those of other newspapers and get newsprint on high sea sales basis through either the State Small Industries Development Corporation or any other such Corporation functioning in the State or through their authorised agents.

5.5 Authorisations for entitlement of indigenous newsprint will be issued by the RNI direct to the Mills concerned.

5.6 Newspapers should lift their allotment from high sea sales or buffer stock or from indigenous sources within the periods specified below :—

- | | |
|---------------------------------------------|-----------|
| (i) with entitlement of less than 50 tonnes | —6 months |
| (ii) Others | —2 months |

If a newspaper fails to do so, it is liable to lose further allotment of newsprint.

6. Use of newsprint allocated to one newspaper for another newspaper :

One newspaper shall not make use of the newsprint allotted to another newspaper or newspapers, even though the publications concerned have the same ownership or have been allowed to club their entitlement for the purpose of obtaining imported newsprint on high sea sale basis.

7. Exception:

Notwithstanding anything contained in these instructions, the RNI may waive any of the requirements or relax any of these instructions for good and valid reasons.

8. Miscellaneous :

8.1 No newsprint dealer or agent, who has not complied with the provisions of the Newsprint Control Order, 1962, will be allowed to obtain imported newsprint either on highsea sale or from the buffer stock.

8.2 The Mills producing indigenous newsprint shall furnish to the RNI such information as is required by him periodically under the Newsprint Control Order, 1962.

8.3 A newspaper which is allotted newsprint should submit to the RNI a Performance Particulars Certificate for 1982-83 in form NP-3 not later than 30th June, 1983, duly certified by a Chartered Accountant, if the circulation is over 2,000 copies per publishing day.

8.4 A newspaper which suspends or ceases publication shall submit to the RNI a Performance Particulars Certificate in Form NP-3 within a month of the suspension/cessation of publication. It shall also surrender the newsprint not utilised by it as per directions of the RNI.

8.5 Specimen of Forms NP-1, NP-2, NP-3, and NP-4 are attached.

FORM NP-1

FORM—I

APPLICATION FORM FOR ALLOTMENT OF NEWSPRINT FOR NEWSPAPERS/PERIODICALS

PART—I

1. Name of the Applicant.
2. Name of the Newspaper/Periodicals.
3. Full Postal Address.
4. (a) Date from which newspaper/Periodical is regularly Published.
(b) Registration Number as given by Registrar of Newspaper for India.
(c) Date of filing the latest declaration with District Magistrate.
5. Nature of Concern i.e. Public/Private/Proprietorship etc. and names of Directors/Partners etc.
6. Quantity/Value of newsprint required for 12 months.
7. (a) Phased delivery requirement.
(b) Name of the agent authorised.

8. Name and other Particulars of Newspapers/Periodicals owned by the applicant.

Title of the Paper	Language & Periodicity	Place of Publication	Whether getting newsprint through Government
1	2	3	4

9. Particulars of circulation etc. per publishing day for the new newspapers/Periodicals.

- (a) Date of the proposed Publication.
- (b) Average No. of copies proposed to be printed.
- (c) Average No. of Pages.
- (d) Average area of one page of newspapers/Periodicals (in Sq. cms.).
- (e) No. of publishing days.

10. Particulars of newsprint (Specify Glazed/Unglazed/Nopa separately).

Item No.	Qty. in mts.	Source	Value (CIF) in Rs.

Consumed during 1981-82 Required for the year 1982-83.

11. Last Licensing year in which newsprint was taken from the OFFICE OF RNI.

- 12. (a) Type of Machine (i.e. Rotary/Flatbed/Letter Press)
- (b) Size of reels/sheets required.

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any allotment made to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation, in addition of any other penalty that the Govt. may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statements of facts therein are incorrect or false.

- 2. I/We declare that the newsprint, if allotted will be used in our press/premises/establishments at the above mentioned address.
- 3. I/We also fully understand that the allocation of canalised item(s) through the canalising agency is made under the import Trade Control Regulations and violation of the condition on which such goods are released to use of any misuse of such goods will attract the provisions of Imports and Exports (Control) Act, 1947, as amended and orders issued there under.
- 4. I/We have noted the relevant provisions contained in the Import Policy/Hand Books of Import Export Procedure, 1981-82.

Signature _____

Name in Block letters _____

Designation _____

Residential Address _____

PART-II
INCOME-TAX DECLARATION

(a) In case of persons not having taxable Income

I/We hereby solemnly declare that I/We are not liable to pay any Income-tax including advance tax as the Income earned by me/us during the current accounting year and last four accounting years has been below the maximum limit not chargeable to tax.

(b) Income of persons having taxable Income

I/We hereby solemnly declare that:

1. I/We have furnished to the Income-Tax Department the return(s) of income due from me/us till date

2. I/We have paid all taxes including advance tax due from me/us under the Income-Tax Act other than the tax demand which has been stayed by the Competent Authority.

3. I/We have not been penalised */convicted for concealment of income/wealth during the last three calendar years.

I/We hereby solemnly declare that the above declaration also applied in the case of Companies in which I/We am/are having substantial interest** or the firms or associations of persons in which I/We am/are Partners or members respectively.

OR

The above declaration is applicable in case of persons having substantial interest** in the applicant Company or members of the applicant association or Partner of the applicant firm.

Place _____

Signature _____

Date _____

Address _____

Permanent A/C No. _____

Designation of the ITO with whom assessed _____

Assessable _____

*If an appeal has been filed against the levy of penalty and the appeal is pending before the Appellate Assistant Commissioner of Income Tax Appellate Tribunal, such penalty need not be taken note for the purpose of this declaration.

**The words "substantial interest" shall have the same meaning as in the explanation to Section 40(A)(2) of the Income Tax Act, 1961.

FORM NP-2
STATEMENT TO BE GIVEN BY ALL APPLICANTS

1. Name of the newspaper						
2. Language/Periodicity						
3. Place of publication						
4. Date from which the number of copies of the previous issue are being continuously published as per requirement of clause 5A of the Newsprint Control Order, 1962 (as amended by the Newsprint Control (Amendment) Order, 1962)	April 81	May 81	June 81	July 81	Aug. 81	
5. Monthwise average number of pages printed per publishing day during 1981-82 (mileage) (to be worked out as per instructions given at the end of this form)	Sept. 81	Oct. 81	Nov. 81	Dec. 81		
	Jan. 82	Feb. 82	March 82			
6. Consumption of newsprint obtained under the scheme of export promotion and consumed during 1981-82	Glazed (-- gms)	Unglazed		Total		
				Signature of the publisher		
				Date		

Note: The figures to be given against Col-5 should be worked out by taking the total number of pages of an issue multiplied by the total number of copies printed of that issue, which will give the information about the total number of pages printed on the relevant publishing day. The total no. of pages printed on all the publishing days in a month should be added. The monthly average should be arrived at by dividing this total by the total of number of publishing days in that month.

FORM N.P.—13

**FORM OF PERFORMANCE PARTICULARS CERTIFICATE REGARDING CIRCULATION ETC. FOR THE PERIOD
FROM 1-4-81 to 31-3-82**

1. Name of the Newspaper/Periodical _____ 3. Language _____
 2. Place of Publication _____ 4. Periodicity _____

A. OTHERWISE AVERAGES**DURING THE MONTH OF**

(a) Actual no. of publishing days month-	Apr.	May	June	July	Aug.	Sept.	Oct.	Nov.	Dec.	Jan	Feb.	March	Average for the year
81	81	81	81	81	81	81	81	81	81	82	82	82	82
(b) Average no. of copies printed per publishing day.													
(c) Average no. of copies sold per publishing day.													
(d) Average no. of copies distributed free per publishing day (including complementary voucher, exchange, bonus sample and office copies).													
(e) Average no. of unsold returns and other copies printed but not included in (c) & (d)													
(f) Average size of the newspaper/periodical (in sq. cm.)													
(g) Average no. of pages per issue													
(h) Average no. of pages printed per publishing day.													
B. Total consumption of newsprint during the year (in tonnes)													
C Total consumption of white printing paper during the year 1981-82 (in tonnes)													

Signature of the Publisher _____
 Name of the publisher _____
 Date _____

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT

I/We have examined the books and account of M/s _____ (name, language and periodicity of the paper) published for the year 1981-82 and have obtained all the information and explanation required by us. In my/our opinion the statement set forth above reflects true and correct analysis of circulation, page, size and number of publishing days for the year 1981-82 to the best of my/our information and belief and according to the explanation given to me/us by the books of account etc.

Dated: _____

Signature _____

Stamp of the Chartered Accountant

1. Name and signature of the person who has signed the certificate.

2. Registration No. _____

3. Address _____

Note: 1 If the average circulation for the year is more than 2,000 copies per publishing day, the certificate should be typed on the letter head of a Chartered Accountant and should be duly countersigned by him.

2 All the averages have to be given month-wise on the basis of the particulars of performance during the relevant month.

3 The figures to be given against (g) should be arrived at by adding the total number of pages of all the issues published during a month and dividing the total by the number of publishing days in that month, while the figures against (h) should be worked out like this: The no. of pages of an issue multiplied by the total number of copies printed of that issue will give the information about the total number of pages printed on the relevant publishing day. The total number of pages printed on all the publishing days in a month should be added. The monthly average should be arrived at by dividing this total by the total number of publishing days in that month.

STATEMENT TO BE GIVEN BY THE PUBLISHERS OF NEW DAILY PERIODICAL

1. Name of the Newspaper/Periodical
 - (a) Name
 - (b) Language
 - (c) Periodicity
2. Date of filing the latest declaration.
3. Proposed date of commencement of the publication
4. Average number of copies proposed to be printed.
 - (a) No. for sale
 - (b) No. for free distribution.
5. Place of printing and particulars of the Press.
 - (a) Particulars of the owner of the press

Name
Address
 - (b) Printing capacity:
Details of printing/composing machine indicating the make, model, speed per hour and present life of the machine.
6. Whether bank guarantee has been executed in the specimen form of the Scheduled bank.
7. If so, the name of the bank and value of the guarantee.
8. Whether newsprint is to be lifted through agent
9. If so, the name of the agent.
10. The term of lifting newsprint in instalments or in one lot, buffer stock/high sea sales.
11. Name of the Editor.

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief.

Place: _____

Signature _____

Date: _____

Name in the Block letter _____

Designation _____

Residential address _____

PROFORMA FOR BANK GUARANTEE

To

The Registrar of Newspaper for India,
(Ministry of Information & Broadcasting),
West Block 8, 2nd Floor, Wing No. 2,
R.K. Puram, New Delhi-110066.

Dear Sirs,

Whereas M/s. _____ (hereinafter referred to as "Allottee") have applied to you for import of the under-mentioned quantity of newsprint for publication of the newspaper.

Name _____	Language _____
Periodicity _____	Place of publication _____
Approx. Quantity _____	Approx. CIF price. Rs. _____

And whereas as per conditions of the advance allocation for the proposed publication, Allottee is required to have a Bank Guarantee for 20% of the approximate value of the newsprint quantity applied for.

Now in consideration of the above premises and at the request of the Allottee, we (Name and address of the Bank) hereby conditionally irrevocably guarantee and undertake that in the event of non-payment of sale price and/or any other default/failure on the part of Allottee to observe all or any of the conditions prescribed/to be proscribed by you, we shall on your first demand pay to you, any sum upto Rs _____ without demur or without any reference to Allottee.

Your decision that there has been a default/failure on the part of the Allottee shall be final, conclusive and binding on us.

This guarantee shall not be affected by any forbearance or indulgence of any kind shown by you to the Allottee and/or by any change in the conditions prescribed by you and/or in the constitution of the same and/or the Allottee.

The guarantee is valid for a period of three months from the date of issue and a claim under it must be referred within six months of the date of its expiry.

Yours faithfully,
SIGNATURE OF THE AUTHORISED BANK OFFICERS